प्रश्न- भारत में विकास की असफलता के मार्ग में वामपंथ उग्रवाद एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। ऐसे में भारत सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद से लड़ने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना जारी रखा हैं, फिर भी वामपंथ उग्रवाद की ताकत अभी भी मजबूत क्यों है? परीक्षण कीजिए। (200 शब्द)

Left wing extremism has been a major obstruction in the path of India's developement. The Indian govern ment has held continued discussion on various strategies to fight left wing extremism still why is the strength of left extremism still strong. Examine. (200 words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में बतायें कि भारत में विकास की असफलता के मार्ग में वामपंथ उग्रवाद का क्या कार्य रहा है।
- पैरा चेंज करते हुए बतायें भारत सरकार द्वारा वामपंथ उग्रवाद से लड़ने के लिए कौन सी रणनीतियाँ बनाई हैं।
- अगले पैरा में बतायें कि वामपंथ उग्रवाद की ताकत अभी भी मजबूत क्यों है?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

1967 में नक्सलवाद की जो विचारधारा विकसित हुई वह अपने लक्ष्य एवं कार्यशैली में पूर्णरूप से परिवर्तित हो चुकी है। अब यह वामपंथ उग्रवाद के रूप में बदल चुकी है जिसका मुख्य कार्य विकास के कार्य में बाधा पहुँचाना, सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुँचाना, सरकार के विरूद्ध मोबाइल वारफेयर तथा गुरिल्ला तकनीक का प्रयोग कर सेना को नुकसान पहुंचाना।

उग्रवाद से लड़ने के लिए विभिन्न रणनीतियां-

- **14 प्वाइंट नीति**-सुरक्षा और विकास के लिए 2006 में नक्सलवाद से निपटने के लिए रणनीति बनाई गई।
- **सीपीआई (माओवादी) पर प्रतिबंध**- 2009 में भारत सरकार ने सीपीआई (माओवादी) पर प्रतिबंध लगा दिया।
- **सेना की तैनाती**- सीआरपीएफ और राज्य बल को माओवाद ग्रस्त क्षेत्र में तैनात किया गया है।
- **विकास का कार्य**- जनजातीय और पिछड़े जिले में सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाएं प्रदान करने के लिए एकीकृत कार्य योजना (आइपी) बनाया गया।

वामपंथ उग्रवाद की ताकत अभी भी मजबूत होने के कारण-

- **माओवाद से लड़ने के लिए एक व्यापक विरोधी नीति का अभाव**-माओवाद से लड़ने के लिए एक समन्वित रणनीति का अभाव है।
- **खुफिया सूचना**-चरमपंथी ताकतों के खिलाफ एक राज्य की प्रतिक्रिया की सफलता इसकी खुफिया तंत्र की ताकत पर निर्भर करता है। सुकमा हमले में माओवादियों द्वारा सीआरपीएफ पर हमला कहीं न कहीं खुफिया तंत्र की कार्यशैली पर सवाल उठाता है।
- **केन्द्र-राज्य समन्वय का अभाव**-पुलिस और सार्वजनिक आदेश राज्य सूची का विषय है। राज्य पुलिस और सीआरपीएफ जैसे केन्द्रीय संगठनों के बीच समन्यव की कमी है।
- **बलों की अक्षमता**-छत्तीसगढ़ के सुकमा में दोपहर भोजन के अभाव में हड़ताल करना, बलों में नेतृत्व की कमी को दर्शाता है।